

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 324]

रायपुर, मंगलवार, दिनांक 11 जुलाई 2023 — आषाढ़ 20, शक 1945

उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 3 जुलाई 2023

अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-32/2021/38-2. — छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर के पत्र क्रमांक 668/पी.यू./एस.एण्ड.ओ./2016/18258, दिनांक 16-05-2023 द्वारा कलिंगा विश्वविद्यालय, ग्राम-कोटनी पलौद, तह. —आरंग, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) के अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 156 से 177 एवं संशोधित अध्यादेश क्रमांक 114 व 118 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29 (2) के तहत किया गया है।

- राज्य शासन, एतद्वारा, उपरोक्त अध्यादेशों को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति संबंधित विभाग एवं नियामक/सांविधिक अभिकरण से अनुमति प्राप्त किये जाने की शर्त पर प्रदान करता है।
- उपरोक्त अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हिना अनिमेष नेताम, संयुक्त सचिव.

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र-156

डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर (डी.आर्क.)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-156 डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर संक्षिप्त नाम डी.आर्क. के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर।

3. संकाय :

डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर, अभियांत्रिकी/ प्रौद्योगिकी/ वास्तुकला/ डिज़ाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष (06 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 06 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

भारत के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान से 10वीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10वीं परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)**
 शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनो आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
 एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -157
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क.)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 157 बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर संक्षिप्त नाम बी.आर्क. के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर।

3. संकाय :

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम अभियांत्रिकी/ प्रौद्योगिकी/ वास्तुकला/ डिज़ाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि 05 वर्ष (दस सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 10 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

रसायन विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी/जीव विज्ञान/तकनीकी व्यावसायिक विषय (उपयुक्त विषय के ब्रिज कोर्स के साथ) में से एक के साथ अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी और गणित के साथ 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।

लेटरल एंट्री द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु: 10+3 डिप्लोमा परीक्षा में अनिवार्य विषय के रूप में गणित के साथ उत्तीर्ण।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके

प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्य और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा

युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय II बिंदु क.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क. 51 अध्याय IV बिंदु क. 12 का प्रासंगिक भाग)

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क.)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र - 158
मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (एम.आर्क.)

1. **परिचय:**
 इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 158 मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर संक्षिप्त नाम **एम.आर्क.** के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
 मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर।
3. **संकाय :**
 मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम अभियांत्रिकी/ प्रौद्योगिकी/ वास्तुकला/ डिज़ाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
 पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष (4 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
 किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वास्तुकला में स्नातक की परीक्षा अथवा समकक्ष उपाधी कम से कम 50% कुल या समकक्ष सीजीपीआई के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।
6. **सीट :**
 मूल इकाई 30 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
 जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातकपरीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
 प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
 विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी

होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेशको रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)**
 शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिह्नित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
 एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी पेपरों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
 (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र - 159
बैचलर ऑफ साइंस (एविएशन) - बी.एससी. (एविएशन)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-159 बैचलर ऑफ साइंस (एविएशन) संक्षिप्त नाम **बी.एससी. (एविएशन)** के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ साइंस (एविएशन)।

3. संकाय:

बैचलर ऑफ साइंस (एविएशन) पाठ्यक्रम विज्ञान संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि:

पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष (6 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 06 वर्ष की होगी।

5. पात्रता:

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल या किसी अन्य मान्यता प्राप्त माध्यमिक बोर्ड से भौतिकी, रसायन, गणित में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट:

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र – 51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारीको कार्यक्रम/ गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/ सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/ शोध/ परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत् मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ साइंस (एविएशन)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -160

बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन) – बीबीए(एविएशन)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-160 बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन) संक्षिप्त नाम बीबीए (एविएशन) के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन)।

3. संकाय :

बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन) पाठ्यक्रम प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष (6 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 06 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की

मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्य और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारीको कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/संस्थान/विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र. 8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -161
मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन) – एमबीए (एविएशन)

1. **परिचय:**
 इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक – 161 मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन) संक्षिप्त नाम एमबीए (एविएशन) के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
 मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन)।
3. **संकाय :**
 मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन) पाठ्यक्रम प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
 पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष (4 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
 यूजीसी द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।
6. **सीट :**
 मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
 जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातकपरीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
 प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
 विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने

से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क – 51, अध्याय II, बिंदु क. 7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क. 8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय IV बिंदु क. 12 का प्रासंगिक भाग)

(i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एविएशन)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

(i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

(ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।

(iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र -162

बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड (एविएशन) – बीबीए एमबीए इंटीग्रेटेड (एविएशन)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-162 बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड (एविएशन) संक्षिप्त नाम बीबीए एमबीए इंटीग्रेटेड (एविएशन) के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड (एविएशन)।

3. संकाय :

बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड (एविएशन) पाठ्यक्रम प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि चार वर्ष (8 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 08 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो

उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क – 51, अध्याय II, बिंदु क. 7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र. 8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन इंटीग्रेटेड (एविएशन)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र – 163
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एविएशन – पीजीडी (एविएशन)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक— 163 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एविएशन संक्षिप्त नाम पीजीडी(एविएशन) के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एविएशन।

3. संकाय :

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एविएशन पाठ्यक्रम प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष (दो सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 02 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

यूजीसी द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क – 51, अध्याय II, बिंदु क. 7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र. 8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

(i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एविएशन" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

(i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

(ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।

(iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005(कं.13 सन् 2005)के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेशक्र-164
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-164 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट संक्षिप्त नाम पीजीडीबीएम के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट।

3. संकाय :

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट पाठ्यक्रम मैनेजमेंट संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि 01 वर्ष (दो सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 02 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

यूजीसी द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक की परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने

से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)**
 शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनो आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
 एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -165
डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाईन- डीआईडी

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 165 डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाईन संक्षिप्त नाम डीआईडी के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाईन ।

3. संकाय :

डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाईन, अभियांत्रिकी/ प्रौद्योगिकी/ वास्तुकला/ डिजाइन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा ।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि 01 वर्ष (दो सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 02 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. **मूल्यांकन और परीक्षा :**(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)
शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
15. **उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
16. **उपाधि प्रदाय करना :**
एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाईन" उपाधि के लिए पात्र होगा।
17. **सामान्य :**
- प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र - 166

मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिजिकल एजुकेशन)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-166 मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिजिकल एजुकेशन) संक्षिप्त नाम एम. ए. (फिजिकल एजुकेशन) के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिजिकल एजुकेशन)।

3. संकाय :

मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिजिकल एजुकेशन) पाठ्यक्रम शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष (4 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

यू.जी.सी. द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा / स्वास्थ्य शिक्षा एवं खेल में स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए, प्रवेश के लिए पात्र होगा।

6. सीट :

मूल इकाई 30 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिजिकल एजुकेशन)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -167
मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड.)

1. **परिचय:**
इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 167 मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन संक्षिप्त नाम (एम.पी.एड.) के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड.)।
3. **संकाय :**
मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन पाठ्यक्रम शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष (4 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
जिन उम्मीदवारों ने बी.पी.एड./बी.एससी शारीरिक शिक्षा एवं खेल में स्नातक परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं, प्रवेश के लिए पात्र होगा।
(क) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (B.P.ED.) या कम से कम 50 अंको के समतुल्य।
या
बैचलर ऑफ साइंस (बी.एस.सी) स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा में कम से कम 50 अंको के साथ उत्तीर्ण।
(ख) एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी एवं अन्य वर्गों हेतु सीटों में आरक्षण एवं क्वालिफाइंग मार्क्स में छूट केन्द्र सरकार/राज्य सरकार के अनुसार लागू रहेंगी।
6. **सीट :**
मूल इकाई 30 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातकपरीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके

प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन

या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

(i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी. एड.)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

(i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

(ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।

(iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -168
डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट (डी.इ.एम.)

1. **परिचय:**
 इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 168 डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट संक्षिप्त नाम डी.इ.एम. के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
 डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट।
3. **संकाय :**
 डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट, प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
 पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष (02 सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 02 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
6. **सीट :**
 मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
 जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
 प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
 विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा :** (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क.8)
शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:** (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय IV बिंदु क.12 का प्रासंगिक भाग)
- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिह्नित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -169
बैचलर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक-169 बैचलर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट) संक्षिप्त नाम बी.ए. (इवेंट मैनेजमेंट) के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट)।

3. संकाय :

बैचलर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट) पाठ्यक्रम प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि 03 वर्ष (छः सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 06 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -170
मास्टर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट)

1. **परिचय:**
 इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 170 मास्टर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट) संक्षिप्त नाम एम. ए. (इवेंट मैनेजमेंट) के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
 मास्टर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट)।
3. **संकाय :**
 मास्टर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट) पाठ्यक्रम प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
 पाठ्यक्रम की अवधि 02 वर्ष (चार सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
 यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/शैक्षणिक संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण प्रवेश के लिए पात्र होगा।
6. **सीट :**
 मूल इकाई 30 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
 जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
 प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
 विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)**
 शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
 एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टरों में उत्तीर्ण हुआ, वह "मास्टर ऑफ आर्ट्स (इवेंट मैनेजमेंट)" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -171
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट (पीजीडीइएम)

1. **परिचय:**
 इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 171 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट संक्षिप्त नाम पीजीडीइएम के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट।
3. **संकाय :**
 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम प्रबंधन संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
 पाठ्यक्रम की अवधि 01 वर्ष (दो सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 02 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
 यूजीसी द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।
6. **सीट :**
 मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
 जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक की परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
 प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
 विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने

से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)**
 शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय IV बिंदु क्र.12 का प्रासंगिक भाग)**
- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
 एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -172
डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग (डी.एफ.एम.)

1. **परिचय:**
 इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 172 डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग संक्षिप्त नाम डी.एफ.एम. के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
 डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग।
3. **संकाय :**
 डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग, कला संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
 पाठ्यक्रम की अवधि 01 वर्ष (दो सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 02 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
6. **सीट :**
 मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
 जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
 प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
 विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

(i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनो आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टरो में उत्तीर्ण हुआ, वह "डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

(i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

(ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।

(iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र - 173
बैचलर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग)

1. **परिचय:**
 इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 173 बैचलर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग) संक्षिप्त नाम बी.ए. (फिल्म मेकिंग) के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
 बैचलर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग)।
3. **संकाय :**
 बैचलर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग) पाठ्यक्रम कला संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
 पाठ्यक्रम की अवधि 03 वर्ष (छः सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 06 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
6. **सीट :**
 मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।
7. **प्रवेश :**
 जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
 प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
 विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. **मूल्यांकन और परीक्षा :**(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)
शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
15. **उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
16. **उपाधि प्रदाय करना :**
एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग)" उपाधि के लिए पात्र होगा।
17. **सामान्य :**
- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र -174
मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 174 मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग) संक्षिप्त नाम एम. ए. (फिल्म मेकिंग) के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग)।

3. संकाय :

मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग) पाठ्यक्रम कला संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि 02 वर्ष (चार सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान से कला (फिल्म निर्माण/सिनेमा) स्नातक उत्तीर्ण, प्रवेश के लिए पात्र होगा।

6. सीट :

मूल इकाई 30 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा :**(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)
शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "मास्टर ऑफ आर्ट्स (फिल्म मेकिंग)" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय

(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित

अध्यादेश क्र - 175

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग (पीजीडीएफएम)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 175 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग संक्षिप्त नाम पीजीडीएफएम के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग।

3. संकाय :

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग पाठ्यक्रम कला संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष (2सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 02 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

यूजीसी द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक की परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्क प्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

- 14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)**
 शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
- 15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
- 16. उपाधि प्रदाय करना :**
 एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह "पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिल्म मेकिंग" उपाधि के लिए पात्र होगा।
- 17. सामान्य :**
- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (कं.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र - 176
मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स (एमएफए)

1. **परिचय:**
इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 176 मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स संक्षिप्त नाम एमएफए के रूप में जाना जाएगा।
2. **शीर्षक :**
मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स।
3. **संकाय :**
मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स पाठ्यक्रम फाइन आर्ट्स संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।
4. **अवधि :**
पाठ्यक्रम की अवधि 02 वर्ष (चार सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 04 वर्ष की होगी।
5. **पात्रता :**
भारतीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय या संस्थान से बी.एफ.ए./बी.वी.ए. (4 साल का डिग्री कोर्स) परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
6. **सीट :**
मूल इकाई 30 सीटों की होगी। एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकती हैं।
7. **प्रवेश :**
जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश स्नातक परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।
8. **शैक्षणिक वर्ष :**
प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।
9. **चयन:**
विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)

शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

(i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनो आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।

(ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टरो में उत्तीर्ण हुआ, वह "मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

(i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

(ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।

(iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय
(स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 (क्र.13 सन् 2005) के अंतर्गत स्थापित
अध्यादेश क्र - 177
बैचलर ऑफ आर्ट्स (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश क्रमांक - 177 बैचलर ऑफ आर्ट्स (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) संक्षिप्त नाम बी.ए. (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) के रूप में जाना जाएगा।

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ आर्ट्स (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन)।

3. संकाय :

बैचलर ऑफ आर्ट्स (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) पाठ्यक्रम कला संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि 03 वर्ष (छः सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 06 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकाई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं

आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
- ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
- iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
- iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
- v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
- vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं हैं।
सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क-51, अध्याय II, बिंदु क.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. **मूल्यांकन और परीक्षा :**(कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)
शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।
15. **उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:**
- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
 - एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।
16. **उपाधि प्रदाय करना :**
एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्टर्स में उत्तीर्ण हुआ, वह “बैचलर ऑफ आर्ट्स (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन)” उपाधि के लिए पात्र होगा।
17. **सामान्य :**
- प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
 - किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।
 - छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेशों में संशोधन

अध्यादेश क्रमांक 114 बैचलर ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ (बी.वॉक.) में संशोधन

- वर्तमान में विद्यमान अध्यादेश क्रमांक 114 को निरस्त किया जाना है और निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना है।

संशोधित अध्यादेश क्रमांक – 114 बैचलर ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ (बी.वॉक.)

1. परिचय:

इस अध्यादेश को कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यादेश संख्या— 114 बैचलर ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ संक्षिप्त नाम **बी.वॉक.** के रूप में जाना जाएगा। बी.वॉक. के अंतर्गत चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम ऑटोमोबाइल, बैंकिंग एंड फाइनेंशियल सर्विस / बैंकिंग एंड ऑपरेशन मैनेजमेंट, ब्यूटि एंड वेल्नेस, बिल्डींग कंस्ट्रक्शन, बिल्डींग टेक्नोलॉजी, कम्प्युटर एप्लीकेशन्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, डेटा साइंस, इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेस, इंजन टेस्टिंग, फार्म इक्विपमेंट एंड मशीनरी, फैशन टेक्नोलॉजी, हर्बल ब्यूटी केयर, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म, इंटीरियर डिज़ाइन, ज्वेलरी डिज़ाइन, मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपमेंट, मोबाइल कम्प्युनिकेशन, मल्टीमिडिया, प्रीटिंग टेक्नोलॉजी, रेफ्रीजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, रिनिवेबल एनर्जी, रिटेल, रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, स्पोर्ट्स, टूरिज्म एंड सर्विस इंडस्ट्री, वेब टेक्नोलॉजिस एवं योगा।

2. शीर्षक :

बैचलर ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ (....विशेषज्ञता का नाम....)।

3. संकाय :

बैचलर ऑफ वोकेशनल स्टडीज़ (बी.वॉक.) पाठ्यक्रम व्यवसायिक शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित किया जायेगा।

4. अवधि :

पाठ्यक्रम की अवधि 03 वर्ष (छः सेमेस्टर) की होगी और अधिकतम अवधि 06 वर्ष की होगी।

5. पात्रता :

10+2 परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

6. सीट :

मूल इकई 60 सीटों की होगी। सीजीपीयूआरसी से अनुमति लेकर एक से अधिक इकाइयाँ भी स्थापित की जा सकेंगी।

7. प्रवेश :

जैसा कि अध्यादेश क्र-1 में वर्णित है। प्रवेश 10+2 परीक्षा की प्रावीण्यता के आधार पर दिया जायेगा। छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित छात्रों को वरीयता दी जाएगी और राज्य सरकार द्वारा प्रवेश एवं आरक्षण से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जायेगा।

8. शैक्षणिक वर्ष :

प्रत्येक वर्ष में शैक्षणिक सत्र का एक चक्र होगा जो कि जुलाई से जून तक का होगा।

9. चयन:

विश्वविद्यालय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर और अन्य प्रचार माध्यमों, समाचार पत्रों में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए चयनित उम्मीदवारों की सूची वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी तथा छात्रों को सीधे उनके प्रवेश के बारे में सूचित किया जाएगा। चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के परिणाम प्रतीक्षित हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस तरह के उम्मीदवार के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। अगर उम्मीदवार निर्धारित प्रतिशत के साथ योग्यता परीक्षा को पास करने में विफल रहता है, तो उसका प्रवेश रद्द माना जायेगा। इसके अलावा उम्मीदवार को प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म भरने से पहले निर्धारित योग्यता के साथ उत्तीर्ण होने की मार्कशीट प्रस्तुत करनी होगी। प्रवेश एवं आरक्षण के संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों का पालन किया जाएगा।

10. शुल्क :

पाठ्यक्रम का शुल्कप्रबंधन बोर्ड/ अकादमिक परिषद के द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाएगा तथा उसे छ.ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

11. प्रवेश को रद्द करना (निरस्तीकरण):

निम्नलिखित परिस्थितियों में छात्र का प्रवेश रद्द किया जा सकता है—

- i. किसी भी स्तर पर छात्र को शासकीय मानदंड/दिशानिर्देश या विश्वविद्यालय के निर्धारित मानदंड के अनुसार योग्य नहीं पाया जाता है।
 - ii. संस्थान/विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता का दोषी पाए जाने पर।
 - iii. झूठे/जाली दस्तावेज का निर्माण करके अनुचित/अवैध तरीके से प्रवेश लिया हो।
 - iv. शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता है।
 - v. आवेदन पत्र किसी भी तरह से अधूरा है।
 - vi. प्रवेश के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न नहीं है।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन और जमा करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकरण संख्या छात्र को प्रदान की जाएगी।

12. माध्यम:

अध्यापन का माध्यम अंग्रेजी एवं हिन्दी होगा एवं परीक्षा अंग्रेजी/हिन्दी में दी जा सकेगी।

13. उपस्थिति: (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र-51, अध्याय II, बिंदु क्र.7)

- (i) विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए नियमित पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। उसे प्रत्येक विषय में कम से कम 60% व्याख्यान में उपस्थित होना अनिवार्य होगा जिसमें व्याख्यान, प्रायोगिक एवं विशेष कक्षा के साथ 75% उपस्थिति परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य होगी।
- (ii) विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 15% तक की छूट दी जाएगी जिसमें बीमारी, एनसीसी/ एनएसएस शिविर एवं परेड, अंतर्विश्वविद्यालयीन, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की क्रीड़ा प्रतियोगिता में सहभागिता सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयीन कार्यों और शैक्षणिक भ्रमण, फील्ड वर्क, फील्ड ट्रिप में संलग्नता के आधार पर छूट दी जा सकती है बशर्ते उपस्थिति अभिलेख प्रभारी शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित कर संस्थान के सक्षम अधिकारी को कार्यक्रम/गतिविधि आदि के दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जावेगा।
- (iii) बीमारी/चिकित्सा विकलांगता के मामले में पंजीकृत चिकित्सक/सार्वजनिक अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाण पत्र द्वारा या तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन) या विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित किया गया हो। कलिंगा युनिवर्सिटी/ संस्थान/ विभाग के आधिकारिक डॉक्टर। इस तरह के आवेदन या तो उपचार/ अस्पताल में भर्ती होने की अवधि के दौरान या वापसी के बाद दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किए जाने पर भी उपस्थिति में छूट दी जाएगी।

14. मूल्यांकन और परीक्षा : (कलिंगा विश्वविद्यालय अध्यादेश क्र. 51 अध्याय II बिंदु क्र.8)
 शिक्षण और मूल्यांकन योजना के अनुसार छात्र के प्रदर्शन का मूल्यांकन आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट, शोध प्रबंध/शोध/परियोजना कार्य, क्षेत्र सर्वेक्षण, वाइवा वॉइस, सेमेस्टर वार विश्वविद्यालय परीक्षाओं आदि जैसे सतत मूल्यांकन के माध्यम से किया जाएगा।

15. उत्तीर्ण होने हेतु मानदंड:

- (i) प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक विषय उत्तीर्ण करने तथा उस विषय के लिए निर्धारित क्रेडिट अर्जित करने हेतु न्यूनतम 40% अंक अर्जित करना आवश्यक होगा, जिसमें सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा एवं विषय शिक्षक द्वारा किए गए सतत मूल्यांकन के प्राप्तांक सम्मिलित होंगे, इसके अतिरिक्त सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के समस्त विषयों/प्रश्नपत्रों में पृथक-पृथक न्यूनतम 40% अंक दोनों आंतरिक एवं बाह्य परीक्षा में अलग-अलग, तथा समस्त प्रश्नपत्रों में कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा विद्यार्थी जो किसी भी विषय में 40% से कम तथा सभी विषयों में कुल मिलाकर 45% से कम अंक अर्जित करेगा उसे अनुत्तीर्ण घोषित किया जाएगा।
- (ii) एक छात्र निर्धारित शुल्क के भुगतान पर एक विशिष्ट पाठ्यक्रम के परीक्षा स्क्रिप्ट के पुनर्मूल्यांकन के लिए, परिणाम की घोषणा की तारीख से दो सप्ताह के भीतर आवेदन कर सकता है। पुनर्मूल्यांकन का अर्थ यह सत्यापित करना होगा कि क्या सभी प्रश्न और उनके भाग को प्रश्न पत्र और अंकों के कुल के अनुसार विधिवत चिन्हित किया गया है। एक विसंगति पाए जाने की स्थिति में दोनों परिणामों में उपयुक्त परिवर्तन के साथ-साथ संबंधित सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा के मार्कशीट को भी ठीक किया जाएगा।

16. उपाधि प्रदाय करना :

एक छात्र जो उपरोक्त कंडिका 15 के सभी मानदंडों के अनुसार सभी विषयों में और सभी सेमेस्ट्रो में उत्तीर्ण हुआ, वह "बैचलर ऑफ वोकेशनल स्टडीज (....विशेषज्ञता का नाम....)" उपाधि के लिए पात्र होगा।

17. सामान्य :

- (i) प्रत्येक कोर्स का विस्तृत पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम आव्यूह (Matrix) अध्ययन बोर्ड द्वारा तैयार किया जाएगा। जो अकादमिक परिषद और कुलपति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- (ii) किसी विवाद की स्थिति में, उसका निराकरण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के क्षेत्राधिकार में होगा।

- (iii) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग (CGPURC) के पूर्व अनुमोदन से अन्य कोई प्रावधान जो ऊपर वर्णित नहीं है, वह कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों से शासित होगा।

---- 000 ----

अध्यादेश क्रमांक 118 बैचलर ऑफ फाईन आर्ट (बीएफए) में संशोधन

2. अध्यादेश 118 के खंड क्रमांक 4 में, निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

4 अवधि:

पाठ्यक्रम की अवधि 04 साल (आठ सेमेस्टर) की होगी एवं इसकी अधिकतम अवधि आठ वर्ष होगी।

---- 000 ----

अटल नगर, दिनांक 3 जुलाई 2023

क्रमांक एफ 3-32/2021/38-2. — भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 03-07-2023 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
हिना अनिमेष नेताम, संयुक्त सचिव.

Atal Nagar, the 3rd July 2023

NOTIFICATION

No. F 3-32/2021/38-2. — Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 668/PU/S&O/2016/18258, Dated 16-05-2023 has approved the New Ordinance No. 156 to 177 and amendment of Ordinance No. 114 & 118 of Kalinga University, Village-Kotni Palod, Teh.-Arang, Distt.-Raipur (Chhattisgarh), Under Section 29(2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

2. The State Government hereby gives its approval for notification of these Ordinances in Official Gazette on the condition of obtaining permission from the concerned Department and Regulatory/Statutory Body.
3. The above Ordinances shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
HINA ANIMESH NETAM, Joint Secretary.

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 156
Diploma in Architecture - D.Arch.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-156 Diploma in Architecture, abbreviated as D.Arch.

2. TITLE :

Diploma in Architecture.

3. FACULTY :

Diploma in Architecture program will be under Faculty of Engineering/ Technology/ Architecture/ Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years (6 semesters) and Maximum Duration will be 6 Years.

5. ELIGIBILITY :

Passed an examination at the end of the 10th Standard or its equivalent examination

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the prior approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10th Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage

his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/ N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/ field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga

University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/ Thesis/ Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DIPLOMA:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Diploma in Architecture" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 157
Bachelor of Architecture - B.Arch.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-157 Bachelor of Architecture, abbreviated as B.Arch.

2. TITLE :

Bachelor of Architecture.

3. FACULTY :

Bachelor of Architecture program will be under Faculty of Engineering/ Technology/ Architecture/ Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Five years (10 semesters) and Maximum Duration will be 10 Years.

5. ELIGIBILITY :

Passed 10+2 examination with Physics and Mathematics as compulsory subjects along with one of the Chemistry/ Biotechnology/ Biology/ Technical Vocational subject (With bridge course as appropriate)

Lateral Entry in Second Year: Passed 10+3 Diploma Examination with Mathematics as compulsory subject.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be

informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/ N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.

- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/ public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/ Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/ hospitalization or within two weeks following recovery.

..

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately and 45% marks in aggregate of all the course shall be essential for passing the Program and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the course and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Architecture" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No- 158
Master of Architecture - M.Arch.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No - 158 Master of Architecture, abbreviated as M.Arch.

2. TITLE :

Master of Architecture.

3. FACULTY :

Master of Architecture program will be under Faculty of Engineering/ Technology/ Architecture/ Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two years (4 semesters) and Maximum Duration will be 4 Years.

5. ELIGIBILITY :

Passed an examination in B.Arch. Degree or equivalent degree with at least 50% aggregate marks or equivalent CGPI.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Graduation. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying

examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/ N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/ field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/ activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/ medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga

University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/ Thesis/ Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately and 45% marks in aggregate of all the course shall be essential for passing the program and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Master of Architecture" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 159
Bachelor of Science (Aviation)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-159 Bachelor of Science (Aviation), abbreviated as B. Sc. (Aviation).

2. TITLE :

Bachelor of Science (Aviation).

3. FACULTY :

Bachelor of Science (Aviation) program will be under Faculty of Science.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination in Physics, Chemistry, Mathematics from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Science (Aviation)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 160
Bachelor of Business Administration (Aviation)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-160 Bachelor of Business Administration (Aviation), abbreviated as BBA (Aviation).

2. TITLE :

Bachelor of Business Administration (Aviation).

3. FACULTY :

Bachelor of Business Administration (Aviation) program will be under Faculty of Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years (06 semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit

mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Business Administration (Aviation)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 161
Master of Business Administration (Aviation)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-161 Master of Business Administration, abbreviated as MBA (Aviation).

2. TITLE :

Master of Business Administration (Aviation).

3. FACULTY :

Master of Business Administration (Aviation) program will be under Faculty of Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two years (04 semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the prior approval of CGPURC..

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Graduation. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/ public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/ Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/ Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Master of Business Administration (Aviation)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 162

**Bachelor of Business Administration and Master of Business Administration Integrated
(Aviation)**

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-162 Bachelor of Business Administration and Master of Business Administration Integrated (Aviation), abbreviated as BBA MBA Integrated (Aviation).

2. TITLE :

Bachelor of Business Administration and Master of Business Administration Integrated (Aviation).

3. FACULTY :

Bachelor of Business Administration and Master of Business Administration Integrated (Aviation) program will be under Faculty of Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Four years (8 semesters) and Maximum Duration will be 08 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply.

However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga

University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Business Administration and Master of Business Administration Integrated (Aviation)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 163
Post Graduate Diploma in Aviation

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-163 Post Graduate Diploma in Aviation, abbreviated as PGD (Aviation).

2. TITLE :

Post Graduate Diploma in Aviation.

3. FACULTY :

Post Graduate Diploma in Aviation program will be under Faculty of Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 1 year (Two semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Graduation. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the papers and in all the semesters shall be eligible for the award of "Post Graduate Diploma in Aviation" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 164
Post Graduate Diploma in Business Management (PGDBM)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No – 164 Post Graduate Diploma in Business Management, abbreviated as PGDBM.

2. TITLE :

Post Graduate Diploma in Business Management.

3. FACULTY :

Post Graduate Diploma in Business Management (PGDBM) program will be under Faculty of Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be One year (Two semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No.01. Admission shall be granted on the merit of Graduation. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed.

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification, on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
- ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
- iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
- iv. The fee is not paid.
- v. The application form is incomplete in any way.
- vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- vii. Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DIPLOMA:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Post Graduate Diploma in Business Management (PGDBM)" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 165
Diploma in Interior Design- DID

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. – 165 Diploma in Interior Design, abbreviated as DID.

2. TITLE :

Diploma in Interior Design.

3. FACULTY :

Diploma in Interior Design program will be under Faculty of Engineering/ Technology/ Architecture/ Design.

4. DURATION :

The duration of the program shall be One Year (02 semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further

provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DIPLOMA:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Diploma in Interior Design" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 166
Master of Arts (Physical Education)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-166 Master of Arts Physical Education abbreviated as MA (Physical Education).

2. TITLE :

Master of Arts (Physical Education).

3. FACULTY :

Master of Arts (Physical Education) program will be under Faculty of Education.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two years (Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation from any recognized University by U.G.C with Physical Education/sports are eligible for admission.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Graduation. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Master of Arts (Physical Education)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 167
Master of Physical Education - M.P.Ed.

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. – 167 Master of Physical Education, abbreviated as M.P.Ed.

2. TITLE :

Master of Physical Education (M.P.Ed.).

3. FACULTY :

Master of Physical Education program will be under faculty of Education.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Two years (Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

a) Bachelor of Physical Education (B.P.Ed.) or equivalent with at least 50% marks.

OR

Bachelor of Science (B.Sc.) in Health and Physical Education with at least 50% marks.

b) The reservation in seats and relaxation in the qualifying marks for SC/ST/OBC/PWD and other categories shall be as per the rules of the Central Government/ State Government whichever is applicable.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of graduation Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the

students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical

practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Master of Physical Education" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 168
Diploma in Event Management- DEM

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. – 168 Diploma in Event Management, abbreviated as DEM.

2. TITLE :

Diploma in Event Management.

3. FACULTY :

Diploma in Event Management program will be under faculty of Management

4. DURATION :

The duration of the program shall be 01 Year (Two semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the

filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DIPLOMA:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Diploma in Event Management" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 169
Bachelor of Arts (Event Management)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-169 Bachelor of Arts (Event Management), abbreviated as BA (Event Management).

2. TITLE :

Bachelor of Arts (Event Management).

3. FACULTY :

Bachelor of Arts (Event Management) program will be under Faculty of Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 03 years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Arts (Event Management)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 170
Master of Arts (Event Management)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-170 Master of Arts (Event Management) abbreviated as MA (Event Management).

2. TITLE :

Master of Arts (Event Management).

3. FACULTY :

Master of Arts (Event Management) program will be under Faculty of Management.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 02 years (Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Graduation. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Master of Arts (Event Management)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 171
Post Graduate Diploma in Event Management - PGDEM

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No. – 171 Post Graduate Diploma in Event Management, abbreviated as PGDEM.

2. TITLE :

Post Graduate Diploma in Event Management.

3. FACULTY :

Post Graduate Diploma in Event Management program will be under faculty of Management

4. DURATION :

The duration of the program shall be 01 Year (Two semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC..

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of graduation Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the

filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DIPLOMA:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Post Graduate Diploma in Event Management" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 172
Diploma in Film Making- DFM

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No.-172 Diploma in Film Making, abbreviated as DFM.

2. TITLE :

Diploma in Film Making.

3. FACULTY :

Diploma in Film Making program will be under faculty of Arts

4. DURATION :

The duration of the program shall be 01 Year (Two semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the

filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DIPLOMA:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Diploma in Film Making" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 173
Bachelor of Arts (Film Making)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No -173 Bachelor of Arts, abbreviated as BA (Film Making).

2. TITLE :

Bachelor of Arts (Film Making).

3. FACULTY :

Bachelor of Arts (Film Making) program will be under Faculty of Arts.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 03 years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary Education.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Arts (Film Making)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 174
Master of Arts (Film Making)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-174 Master of Arts (Film Making), abbreviated as MA (Film Making).

2. TITLE :

Master of Arts (Film Making).

3. FACULTY :

Master of Arts (Film Making) program will be under Faculty of Arts.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 02 years (Four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

Bachelor of Arts (Film Making/ Cinema) Degree from any University or institute recognized by law in India.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of graduate on Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/ Thesis/ Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their part have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Master of Arts (Film Making)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. - 175
Post Graduate Diploma in Film Making - PGDFM

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No.-175 Post Graduate Diploma in Film Making, abbreviated as PGDFM.

2. TITLE :

Post Graduate Diploma in Film Making.

3. FACULTY :

Post Graduate Diploma in Film Making program will be under faculty of Arts

4. DURATION :

The duration of the program shall be One Year (Two semesters) and Maximum Duration will be 02 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed Graduation in any discipline from any recognized University by U.G.C.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of graduation Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the

filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DIPLOMA:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Post Graduate Diploma in Film Making" Diploma.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No-176
Master of Fine Arts (MFA)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No -176 Master of Fine Arts abbreviated as MFA.

2. TITLE :

Master of Fine Arts.

3. FACULTY :

Master of Fine Arts program will be under Faculty of Fine Arts.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 02 years (four semesters) and Maximum Duration will be 04 Years.

5. ELIGIBILITY :

B.F.A. /B.V.A. (4 Years Degree Course) from any University or institute recognized by law in India.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 30 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of Bachelor's Degree. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION:

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE :

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Master of Fine Arts" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

KALINGA UNIVERSITY, RAIPUR
Established under Chhattisgarh Private Universities
(Establishment and Operation) Act, 2005 (No. 13 of 2005)

Ordinance No. – 177
Bachelor of Arts (Hospital Administration)

1. INTRODUCTION :

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-177 Bachelor of Arts (Hospital Administration), abbreviated as BA (Hospital Administration).

2. TITLE :

Bachelor of Arts (Hospital Administration).

3. FACULTY :

Bachelor of Arts (Hospital Administration) program will be under Faculty of Arts.

4. DURATION :

The duration of the program shall be 03 years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination in from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the prior approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester.

Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.
- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning its assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a semester shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Arts (Hospital Administration)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

AMENDMENT IN ORDINANCES OF KALINGA UNIVERSITY**Amendment in Ordinance No. 114 Bachelor of Vocational Studies (B.Voc.)**

1. Existing Ordinance No. 114 to be repealed and replaced by the following New Ordinance No. 114

**REVISED ORDINANCE NO. 114
BACHELOR OF VOCATIONAL STUDIES (B.VOC.)****1. INTRODUCTION :**

This Ordinance shall be known as Kalinga University Ordinance No-114 Bachelor of Vocational Studies, abbreviated as B. Voc. in the area of Automobile, Banking & Financial Service/ Banking & Operation Management, Beauty and Wellness, Building Construction, Building Technology, Computer Applications and Information Technology, Data Science, Electronics Manufacturing Services, Engine Testing, Farm Equipment & Machinery, Fashion Technology, Herbal Beauty Care, Hospital Administration, Hospitality and Tourism, Interior Design, Jewellery Design, Mobile Application Development, Mobile Communication, Multimedia, Printing Technology, Refrigeration and Air Conditioning, Renewable Energy, Retail, Retail and Logistics Management, Software Development, Sports, Tourism and Service Industry, Web Technologies, and Yoga.

2. TITLE :

Bachelor of Vocational Studies (...Specialization Name...)

3. FACULTY :

Bachelor of Vocational Studies (B. Voc.) program will be under Faculty of Vocational Education.

4. DURATION :

The duration of the program shall be Three years (Six semesters) and Maximum Duration will be 06 Years.

5. ELIGIBILITY :

Must have passed 10+2 Examination from Chhattisgarh Board of Secondary Education or from any other recognized Board of Secondary.

6. SEATS :

The basic unit shall be of 60 seats. Multiple units can also be set up with the approval of CGPURC.

7. ADMISSION :

As specified in Ordinance No-01. Admission shall be granted on the basis of merit of 10+2 Examination. Preference will be given to students belonging to the State of Chhattisgarh and all guidelines issued by the State Government related to admission and reservation shall be followed

8. ACADEMIC YEAR :

There will be one academic cycle per year from July to June.

9. SELECTION :

The University will issue admission notification on the notice board of the University and in other publicity media, in newspaper before the start of every academic year. The list of candidates selected for admission on merit basis will be displayed on the website and the students will be informed directly about their admission. The list of the selected student will also be displayed on the notice board of the university. The candidates whose results are awaited can also apply. However, such candidate must produce, the proof of appearing in the final year of qualifying examination, provided if the candidate fails to clear the qualifying exam with required percentage his/her admission shall be treated as cancelled. Further provided that the candidate must submit mark sheet of qualifying examination before the filling of examination form of First Semester. Directives issued by the Government of Chhattisgarh, from time to time, regarding admission and reservation, shall be followed while making admissions.

10. FEE :

The course fee will be decided by the Board of Management/ Academic Council from time to time and shall be submitted for approval to CGPURC.

11. CANCELLATION OF ADMISSION :

Admission of a student may be cancelled under following circumstances:

- i. At any stage, if student is not found qualified, for the Programme, as per Government norms/guidelines or the eligibility criteria prescribed by the University.
 - ii. Involvement in gross indiscipline in the Institute/University
 - iii. She/he is found to have produced false/forged documents or found to have used unfair means to secure admission.
 - iv. The fee is not paid.
 - v. The application form is incomplete in any way.
 - vi. The supporting documents required for admission are not enclosed.
- Registration number will be assigned to the student by the University after verification and submission of all the necessary documents and fees.

12. MEDIUM OF INSTRUCTION:

English and Hindi shall be the medium of Instruction and the Examination may be given in English or Hindi.

13. ATTENDANCE: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.7.):

- (i) A candidate shall be deemed to have undergone a regular course of study in the university, if he/ she has attended at least 60% of the lectures in each course and attendance of at least 75% in the aggregate of lectures, tutorials and practical in order to be eligible to appear at the Examination.

- (ii) A relaxation to the maximum extent of 15% of the total attendance can be accorded to student by the Vice Chancellor on account of sickness, attendance at N.C.C/N.S.S camp and parades, participation as a member of the University team in any inter or intra university competition. Participation in the University functions and the prescribed educational tours/ field trips/ field work, provided that the attendance record, duly counter signed by the teacher-in-charge, is sent to the head of the Institute concerned within two weeks of the function/ activity etc.
- (iii) Provided further in case of sickness/ medical disability, an application for the condonation shall be supported by a medical certificate issued by a registered medical practitioner/ public hospital and duly authenticated by either the Chief Medical Officer (Civil Surgeon) or the University Health center or Official Doctor of Kalinga University/Institute/ Department. Such applications must be submitted either during the period of treatment/ hospitalization or within two weeks following recovery.

14. EVALUATION & EXAMINATION: (Kalinga University Ordinance No. 51, Chapter II point No.8.):

The performance of student shall be evaluated through Continuous Evaluation like Internal Assessment, Assignment, Dissertation/Thesis/Project work, Field Survey, Viva Voce, Semester wise University examinations etc, as per the Teaching & Evaluation Scheme.

15. CRITERIA FOR PASSING:

- (i) Students, obtaining minimum of 40% mark in aggregate in each course that includes the marks of end semester examination and the marks of teacher's continuous evaluation along with 40% marks separately in each course in end semester examination both in internal & external exam separately, and 45% marks in aggregate of all the courses shall be essential for passing the program and earning it's assigned credits. A candidate who secures less than 40% of aggregate marks in a course and less than 45% of marks in grand total in a year shall be deemed to have failed in that course.
- (ii) A student may apply, within two weeks from the date of the declaration of the result, for revaluation of the examination script(s) of a specific course(s) on the payment of prescribed fees. Revaluation shall mean verifying whether all the question and their parts have been duly marked as per the question paper, and the totaling of marks. In the event of a discrepancy being found the same shall be rectified through appropriate changes in both the results as well as marks-sheet of the concerned semester end examination.

16. AWARD OF DEGREE:

A student who has passed as per the above criteria mentioned in clause 15 in all the courses and in all the semesters shall be eligible for the award of "Bachelor of Vocational Studies (...Specialization Name...)" Degree.

17. GENERAL :

- (i) Detailed syllabus of each course and revision in course matrix shall be prepared by the Board of Studies and duly approved by the Academic Council and the Vice-Chancellor as per the requirements.
- (ii) In case of any dispute the action shall lie within the Jurisdiction of High court of Chhattisgarh at Bilaspur.
- (iii) Any other provision not contained in the above shall be governed by the rules and regulations framed by the Kalinga University from time to time, with the prior approval of Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission (CGPURC).

---- 000 ----

Amendment in Ordinance No. 118 Bachelor of Fine Arts (BFA)

2. In clause 4 of ordinance 118, the following shall be substituted:-

4. Duration:

The Duration of the Program shall be Four Year (Eight Semester) and Maximum Duration will be 08 years.

---- 000 ----